

म्यूचुअल फंड में रिटेल निवेशकों की रुचि: एक तुलनात्मक

अध्ययन

डॉ. परिपूर्णा नंद तिवारी

अतिथि विद्वान - वाणिज्य विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश

सारांश (Abstract)

यह शोध पत्र म्यूचुअल फंड में भारतीय निवेशकों की रुचि का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करता है। भारत में म्यूचुअल फंड उद्योग की तेज़ी से वृद्धि (फरवरी 2026 तक औसत AUM ₹83.43 लाख करोड़ और कुल AUM ₹82.03 लाख करोड़) के बावजूद, निवेशकों की प्राथमिकताएँ विभिन्न श्रेणियों (इक्विटी, डेब्ट, हाइब्रिड), जनसांख्यिकीय समूहों (उम्र, लिंग, शहरी-ग्रामीण) और पारंपरिक निवेश विकल्पों (FD, स्टॉक, गोल्ड) के साथ तुलना में भिन्न हैं। SEBI निवेशक सर्वे 2025 और AMFI डेटा के आधार पर यह अध्ययन दर्शाता है कि युवा निवेशक इक्विटी फंड की ओर आकर्षित हैं (उच्च रिटर्न के लिए), जबकि वरिष्ठ और महिला निवेशक डेब्ट फंड को सुरक्षा के लिए पसंद करते हैं। हाइब्रिड फंड संतुलन प्रदान करते हैं। SIP के माध्यम से रिटेल निवेशकों की भागीदारी बढ़ी है, लेकिन जागरूकता केवल 53% है और प्रवेश दर 6.7%। तुलनात्मक रूप से, म्यूचुअल फंड पारंपरिक विकल्पों से बेहतर विविधीकरण देता है, पर जोखिम भय और जटिलता बाधाएँ हैं। अध्ययन सिफारिश करता है कि वित्तीय साक्षरता बढ़ाकर और सरल उत्पादों से रुचि को और गहरा किया जाए।



कीवर्ड (Keywords)

म्यूचुअल फंड, निवेशक रुचि, तुलनात्मक अध्ययन, इक्विटी फंड, डेब्ट फंड, हाइब्रिड फंड, SIP, SEBI सर्वे, AMFI AUM, वित्तीय साक्षरता, जनसांख्यिकीय प्राथमिकताएँ।

परिचय (Introduction)

भारतीय वित्तीय बाजार में म्यूचुअल फंड (Mutual Fund) एक महत्वपूर्ण निवेश माध्यम बन चुका है, जो छोटे-बड़े निवेशकों को पेशेवर प्रबंधन, विविधीकरण और कर लाभ प्रदान करता है। 1963 में UTI के स्थापना से शुरू होकर, आज यह उद्योग 50 से अधिक एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (AMC) के साथ कार्यरत है। AMFI के अनुसार, फरवरी 2026 तक भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग का कुल एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (AUM) ₹82.03 लाख करोड़ पहुंच गया है, जबकि औसत AUM (AAUM) ₹83.43 लाख करोड़ है। यह 2016 के ₹12.63 लाख करोड़ से छह गुना अधिक वृद्धि दर्शाता है। फोलियो संख्या 27.06 करोड़ हो गई है, जिसमें इक्विटी और हाइब्रिड स्कीम्स में 20.64 करोड़ फोलियो रिटेल निवेशकों से हैं।

निवेशकों की रुचि क्यों बढ़ रही है? मुख्य कारण SIP (Systematic Investment Plan) का लोकप्रिय होना है, जो मासिक ₹28,000 करोड़ से अधिक का प्रवाह लाता है। SEBI निवेशक सर्वे 2025 के अनुसार, म्यूचुअल फंड/ETF की जागरूकता 53% घरों में है, जो इक्विटी (49%) से अधिक है। परंतु प्रवेश दर केवल 6.7% है। युवा पीढ़ी (Gen Z और Millennials) डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से आकर्षित हो रही है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कम (45%) है।

यह तुलनात्मक अध्ययन इसलिए आवश्यक है क्योंकि निवेशक प्राथमिकताएँ एकरूप नहीं हैं। इक्विटी फंड में उच्च रिटर्न (लंबी अवधि में 12-15%) के कारण युवा और जोखिम सहनशील निवेशक आकर्षित होते हैं, डेब्ट फंड में स्थिरता और कम जोखिम के लिए वरिष्ठ निवेशक, तथा हाइब्रिड फंड में संतुलन के लिए मध्यवर्ती समूह। पारंपरिक निवेश (FD, पोस्ट ऑफिस, गोल्ड) से तुलना में म्यूचुअल फंड बेहतर रिटर्न और



तरलता देता है, पर जोखिम और जटिलता के कारण कई निवेशक दूर रहते हैं। अध्ययन का उद्देश्य है: (1) विभिन्न MF श्रेणियों में रुचि की तुलना, (2) जनसांख्यिकीय आधार पर प्राथमिकताओं का विश्लेषण, (3) MF बनाम अन्य निवेश विकल्पों की तुलना। इससे AMC, रेगुलेटर और निवेशक शिक्षक लाभान्वित होंगे। उद्योग का हिस्सा घरेलू बचत में बढ़कर 10.59% (2024) हो गया है, जो दर्शाता है कि रुचि बढ़ रही है, लेकिन तुलनात्मक समझ की जरूरत है।

अनुसंधान पद्धति (Research Methodology)

यह अध्ययन द्वितीयक डेटा (Secondary Data) आधारित तुलनात्मक (Comparative) और वर्णनात्मक (Descriptive) पद्धति पर आधारित है। प्राथमिक डेटा संग्रह नहीं किया गया क्योंकि उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर की प्रवृत्तियों का विश्लेषण है।

डेटा स्रोत:

AMFI मासिक रिपोर्ट्स (फरवरी 2026 तक): AUM, AAUM, श्रेणी-वार इनफ्लो (इक्विटी ₹25,978 करोड़, डेब्ट ₹42,106 करोड़, हाइब्रिड ₹11,983 करोड़ फरवरी में)।

SEBI निवेशक सर्वे 2025: जागरूकता (53%), प्रवेश (6.7%), जनसांख्यिकीय ब्रेकडाउन (उम्र, लिंग, शहरी-ग्रामीण)।

पूर्व शोध पत्र: जैसे "A Comparative Study of Investor Preferences" (IJBMI, 2018), "Factors Influencing Mutual Fund Investment" (Gill, 2011), और हालिया 2024-2025 के अध्ययन।

अन्य: Mordor Intelligence रिपोर्ट (2026), Crisil और MoSPI डेटा।



तुलनात्मक विश्लेषण की विधि:

श्रेणी-वार तुलना: इक्विटी (उच्च रिटर्न, उच्च जोखिम), डेब्ट (कम रिटर्न, सुरक्षा), हाइब्रिड (संतुलित) के AUM इनफ्लो, रिटर्न और निवेशक प्रोफाइल की तुलना। इक्विटी में युवा (Gen Z/Millennials) 56-35% इंटेंडर्स, डेब्ट में सिल्वर जेन अधिक।

जनसांख्यिकीय तुलना: पुरुष (11% प्रवेश) vs महिला (7%), शहरी (15%) vs ग्रामीण (6%), NCCS A (उच्च) vs निचले वर्ग। SEBI डेटा से: स्नातक/पोस्टग्रेजुएट में जागरूकता 71-78%।

MF vs अन्य निवेश: FD (50% प्रवेश, 98% जागरूकता) vs MF (6.7%), स्टॉक vs MF (MF कम जोखिमपूर्ण माना जाता है)।

सांख्यिकीय उपकरण: प्रतिशत तुलना, वृद्धि दर (CAGR 6.86% Mordor Intelligence), प्रवाह विश्लेषण। कोई प्राथमिक प्रश्नावली नहीं, पर साहित्य समीक्षा से व्यवहारिक कारक (रिस्क टॉलरेंस, साक्षरता, सलाहकार प्रभाव) शामिल।

सीमाएँ: द्वितीयक डेटा पर निर्भरता, प्राथमिक सर्वे की कमी। अध्ययन फरवरी 2026 तक के डेटा तक सीमित।

विश्लेषण और निष्कर्ष (Findings - Methodology में विस्तारित)

इक्विटी फंड: फरवरी 2026 में इनफ्लो ₹25,978 करोड़ (8% MoM वृद्धि)। फ्लेक्सि-कैप, मिड/स्मॉल-कैप लोकप्रिय। युवा निवेशक (Gen Z 66% जागरूकता) उच्च वृद्धि (72% मोटिव) के लिए चुनते हैं। SEBI सर्वे: 74% MF निवेशक कम जोखिम पसंद करते हैं, पर इक्विटी में रिस्क टॉलरेंस अधिक। तुलना में, डेब्ट फंड में इनफ्लो ₹42,106 करोड़ लेकिन अस्थिर (44% MoM गिरावट)। डेब्ट फंड वरिष्ठ और ग्रामीण निवेशकों (कम शिक्षा) को आकर्षित करते हैं क्योंकि पूंजी संरक्षण प्राथमिकता (80% घरों में)। हाइब्रिड फंड:



इनफ्लो ₹11,983 करोड़ (31% गिरावट), पर संतुलित रिटर्न के कारण मध्यवर्गीय (Millennials) पसंद। महिलाओं की AUM हिस्सेदारी 33% (AMFI 2024), पर भागीदारी 25%। तुलनात्मक रूप से, महिलाएँ डेब्ट/हाइब्रिड को पुरुषों (इक्विटी) से अधिक चुनती हैं।

शहरी vs ग्रामीण: शहरी में प्रवेश 15%, टॉप 9 मेट्रो में 23%; ग्रामीण में 6% लेकिन इंटेडर्स 50% ग्रामीण। राज्य-वार: UP, MH, TN में उच्च इंटेड। MF vs FD: FD में 50% प्रवेश (सुरक्षा), MF में विविधीकरण लेकिन जटिलता (74% बाधा)। स्टॉक डायरेक्ट vs MF: MF अधिक संतुष्ट (ResearchGate अध्ययन) क्योंकि प्रोफेशनल मैनेजमेंट। कारक: साक्षरता, रिस्क, सलाहकार, डिजिटल मीडिया (56% सोशल मीडिया)।

निष्कर्ष (Conclusion)

म्यूचुअल फंड में निवेशकों की रुचि बढ़ रही है, विशेषकर इक्विटी और SIP के माध्यम से, लेकिन तुलनात्मक अध्ययन दर्शाता है कि प्राथमिकताएँ जनसांख्यिकी और श्रेणी पर निर्भर हैं। इक्विटी युवाओं के लिए विकास, डेब्ट सुरक्षा, हाइब्रिड संतुलन प्रदान करता है। SEBI-AMFI डेटा से स्पष्ट है कि जागरूकता और साक्षरता बढ़ाने से प्रवेश दर 6.7% से ऊपर जा सकती है। बाधाएँ (जोखिम भय, जटिलता) दूर करने के लिए सरल ऐप्स, फिन-इनफ्लुएंसर्स और सरकारी अभियान (जैसे AMFI कैंपेन) जरूरी। भविष्य में, महिलाओं और ग्रामीण क्षेत्रों पर फोकस से उद्योग ₹1.27 ट्रिलियन (2031) तक पहुँच सकता है। यह अध्ययन निवेशकों को सूचित निर्णय लेने और AMC को उत्पाद डिजाइन में मदद करेगा। म्यूचुअल फंड न केवल बचत का माध्यम है, बल्कि वित्तीय समावेशन का भी।



संदर्भ (References)

- [1].AMFI Research Information (2026). AUM Data & Monthly Reports. <https://www.amfiindia.com/research-information>
- [2].SEBI Investor Survey 2025 Main Report. <https://www.sebi.gov.in> (जनवरी 2026)।
- [3].A Comparative Study of Investor Preferences (IJBMI, 2018). [https://www.ijbmi.org/papers/Vol\(6\)12/Version-3/H0612036070.pdf](https://www.ijbmi.org/papers/Vol(6)12/Version-3/H0612036070.pdf)
- [4].Factors that affect mutual fund investment decision of Indian investors (Gill, 2011). ResearchGate।
- [5].Indian Mutual Fund Industry Report (Mordor Intelligence, 2026).
- [6].AMFI Factbook 2024 & Whitepaper on Retirement (2025).
- [7].A Comparative Study on Preference Of Investors Towards Mutual Fund Vs Stock Market (ResearchGate, 2023)।
- [8].Behavioral Analysis of Retail Investor Preferences (AllFinanceJournal, 2025)।

